

प्रपक,

अतर सिंह,

उप सचिव,

उत्तरांचल शासन ।

सेवा में,

महानिदेशक,

चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण,

उत्तरांचल देहरादून ।

चिकित्सा अनुभाग-5

देहरादून: दिनांक : 28 फरवरी, 2006

विषय: वित्तीय वर्ष 2005-06 में बारहवें वित्त आयोग की संस्तुति के अन्तर्गत स्वीकृत धनराशि के व्यय की स्वीकृति ।

महोदय,

उपरोक्त विषयक आपके पत्र सं०-54/1/25/2005-06/28948 दिनांक 22.12.2005 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय वित्तीय वर्ष 2005-06 में बारहवें वित्त आयोग की संस्तुति के अन्तर्गत स्वास्थ्य के क्षेत्र में आयोजनेत्तर पक्ष में राजस्व व्यय हेतु शासनादेश संख्या-620/xxviii-5-2005-52/2005 टी०सं० दिनांक 01.02.2006 द्वारा स्वीकृत की गयी ₹० 10.00 करोड़ (दस करोड़ मात्र) की धनराशि का निम्न गानक मदों में व्यय करने की अनुमति प्रदान करते हैं :-

अनुदान संख्या-12 लेखाशीर्षक :-

2210 चिकित्सा तथा लोक स्वास्थ्य -

01- शहरी स्वास्थ्य सवाये / पाश्चात्य चिकित्सा पद्धति

110- अस्पताल तथा औषधालय-आयोजनेत्तर

17-बारहवें वि०आ० के अन्तर्गत विभिन्न चिकित्सालयों का सुदृढीकरण ।

1-गानक मद संख्या-14- कार्यालय प्रयोगार्थ स्टाफ कारों / मोटर गाड़ियों का क्रय, राज्य के 11 शहरी चिकित्सालयों (दून चिकित्सालय देहरादून/महिला चिकित्सालय देहरादून/जिला चिकित्सालय हरिद्वार/ मैनीताल/ चमोली/पौड़ी/उत्तरकाशी/पिथौरागढ़/रूद्रपुर/ऊधमसिंह नगर/बैस चिकित्सालय अल्मोड़ा/ संयुक्त चिकित्सालय नई टिहरी) में सुदृढीकरण हेतु प्रत्येक में से एक एम्बुलेन्स इस प्रकार कुल 11 एम्बुलेन्स, अनुमानित मूल्य ₹० 436290.00 अथवा हार्ड-टॉप जिप्सी अनुमानित मूल्य ₹० 432685.00 जिसमें आपतकालीन स्थिति में डाक्टर एवं पैरामेडिकल स्टाफ मौके पर पहुँच सके, के क्रय हेतु कुल ₹० 50,00,000.00 की अनुमानित धनराशि ।

2-गानक संख्या-20-(सहायक अनुदान/अंशदान/राजसहायता)-राज्य के शहरी क्षेत्रों में 19 राजकीय स्वायत्तता प्राप्त बड़े चिकित्सालयों में आवासीय तथा अनावासीय भवनों के रखरखाव/परम्पत तथा अतिरिक्त सहायता की व्यवस्था हेतु 1,50,00,000.00 की धनराशि ।

3-गानक मद संख्या-26-(मशीनें और सज्जा/उपकरण संयंत्र-राज्य) के विभिन्न चिकित्सालयों में आधुनिक साज-सज्जा एवं उपचार व्यवस्था उपलब्ध कराने हेतु जैसे-पल्स आक्सोमीटर, आक्सोजन कंसन्ट्रेंटर, वायल्स एपरेटस, फीजियोथेरेपी आदि उपकरण एवं साज-सज्जा की व्यवस्था हेतु रुपये 1,50,00,000.00 धनराशि की व्यवस्था रखी गयी है ।

A

4-मानक मद संख्या-39-(औषधि तथा रसायन)-राज्य में विगत 4 वर्षों से प्रधानमंत्री ग्रामोदय योजना के अन्तर्गत औषधि एवं रसायन हेतु अनुदान प्राप्त होता रहा है, जो कि वित्तीय वर्ष 2005-06 में अप्राप्त है इसके स्थान पर राज्य के चिकित्सालयों में औषधियों की कमी की पूर्ति हेतु रु0 1,50,00,000.00 की धनराशि ।

अनुदान संख्या-12 लेखाशीर्षक :-

2210 चिकित्सा तथा लोक स्वास्थ्य

03- ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाये / पाश्चात्य चिकित्सा पद्धति

110 अस्पताल तथा औषधालय-आयोजनेतर

16-बाहरवें चि0आ0 के अन्तर्गत विभिन्न चिकित्सालयों का सुदृढीकरण ।

1-मानक मद संख्या-14 (कार्यालय प्रयोगार्थ स्टाफ कारो/मोटर गाड़ियों का कय) राज्य के 11(ग्यारह) चिकित्सालयों (संयुक्त चिकित्सालयों रुड़की/कोटद्वार/बेस चिकित्सालय श्रीनगर/एल.डी.भट्ट चिकित्सालय काशीपुर/एम.पी.एस.चिकित्सालय अफिकेश /सामुदायिक स्वा0 केन्द्र अमस्तमुनि (रुद्रप्रयाग/पुरोला(उत्तरकाशी) हिण्डोलाखाल(टिहरी गढ़वाल) धारचूला(पिथौरागढ़) गोविन्द सिंह माहरा रा0चिकि0रानोखेत (अल्मोड़ा) सामु0स्वा0के0 लाहाघाट, चम्पावत में सुदृढीकरण हेतु प्रत्येक में एक एम्बुलेन्स इस प्रकार कुल 11 एम्बुलेन्स अनुमानित मूल्य रु0 4,36,290.00 अथवा हाई टॉप जिप्सी अनुमानित मूल्य रु0 4,32,685.00 जिसमें आपतकालीन स्थिति में डाक्टर एवं पैरामेडिकल स्टाफ मौके पर पहुँच सके, के कय हेतु कुल रु0 50,00,000.00 की अनुमानित धनराशि ।

2-मानक मद संख्या-20-(सहायक अनुदान/अंशदान/राजसहायता)-राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों के 08 (आठ)राजकीय स्वायत्तता प्राप्त बड़े चिकित्सालयों में सुदृढीकरण हेतु सहायक अनुदान के अन्तर्गत चिकित्सालयों में आवासीय तथा अनावासीय भवनों के रखरखाव /भरम्मत तथा अतिरिक्त सहायता की व्यवस्था हेतु 1,00,00,000.00 की धनराशि ।

3-मानक मद संख्या-25 (लाघु निर्माण) राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में राजकीय भवनों में स्थित एलोपैथिक चिकित्सालय (110) / अतिरिक्त प्रा0स्वा0के0, प्रा0स्वा0के0 (141) / सामु0स्वा0केन्द्रों(30) की आवासीय एवं अनावासीय भवनों की जर्जर स्थिति की भरम्मत हेतु अतिरिक्त व्यवस्था हेतु रु0 50,00,000.00 की धनराशि ।

4-मानक मद संख्या-26-(मशीनें और सज्जा/उपकरण व संयंत्र)- राज्य के विभिन्न चिकित्सालयों में स्थित शल चिकित्सेदन गुहों में मृत शरीरों के संरक्षण हेतु डीप फ्रिजर की व्यवस्था उपलब्ध कराने हेतु जैसे-पल्स ऑक्समीमीटर, आक्सोजन कन्सन्ट्रेंटर, वायल्स एपरेटस फीजियोथैरेपी आदि उपकरण एवं साज-सज्जा की व्यवस्था हेतु रु0 1,00,00,000.00 की धनराशि ।

5-मानक मद संख्या-29-(अनुरक्षण)-राज्य ग्रामीण क्षेत्रों में राजकीय भवनों में स्थित एलोपैथिक चिकित्सालय / अतिरिक्त प्रा0स्वा0के0 /प्रा0स्वा0के0 /सामु0स्वा0केन्द्रों की आवासीय एवं अनावासीय भवनों के रखरखाव के अन्तर्गत विद्यूतीकरण / वार्षिक अनुरक्षण एवं मशीनों के अनुरक्षण आदि की व्यवस्था हेतु रु0 50,00,000.00 की धनराशि ।

6-मानक मद संख्या-39-(औषधि एवं रसायन)-राज्य की ग्रामीण क्षेत्रों के चिकित्सालयों में विगत 4 वर्षों से प्रधानमंत्री ग्रामोदय योजना के अन्तर्गत औषधि एवं रसायन हेतु अनुदान प्राप्त होता रहा है, जो कि वित्तीय वर्ष 2005-06 में अप्राप्त है अतः उसके स्थान पर राज्य के चिकित्सालयों / राजकीय एलोपैथिक चिकित्सालय / अतिरिक्त प्रा0स्वा0के0 /प्रा0स्वा0के0 / सामु0स्वा0केन्द्रों में औषधियों की कमी की पूर्ति हेतु रु0 1,50,00,000.00 की धनराशि ।



2- महानिदेशक द्वारा अपने स्तर से यह सुनिश्चित कर लिया जायेगा कि वार्षिक राज्य / जिला योजना 2005-06 के अन्तर्गत राज्य जनपद स्तर पर क्रय किये जाने वाले उपकरणों तथा आवासीय एवं अन्वासीय भवनों को मरम्मत व रखरखाव आदि हेतु पूर्व में स्वीकृत की गयी धनराशि में उक्त धनराशि सम्मिलित न हो ।

3- यह आदेश वित्त विभाग के अशा0 सं0-721 / वित्त(व्यय नियंत्रण) अनुभाग-3/2005 दिनांक 27.02.2006 से प्राप्त सहमति से जारी किये जा रहे है ।

भवदीय,

(अतर सिंह)

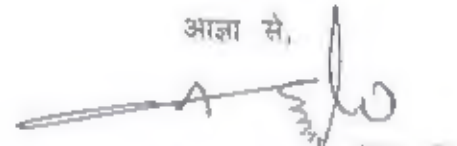
उप सचिव

सं0-697(1)/XXVIII-5-2005-52/2005 तद्दिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1- महालेखाकार, उत्तरांचल, भाजरा देहरादून ।
- 2- निदेशक, कोषागार, उत्तरांचल, देहरादून।
- 3- मुख्य कोषाधिकारी, देहरादून।
- 4- निजी सचिव मा0 मुख्यमंत्री ।
- 5- वित्त(व्यय नियंत्रण) अनुभाग-3/ नियोजन विभाग/एन0आई0सी0।
- 6- बजट राजकोपीय, नियोजन एवं संसाधन, सचिवालय, देहरादून ।
- 7- आयुक्त कुमाऊं / गढ़वाल मण्डल, उत्तरांचल ।
- 8- समस्त जिलाधिकारी, उत्तरांचल ।
- 9- गार्ड फाईल ।

आज्ञा से,



(अतर सिंह)

उप सचिव